MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: UNDERSTANDING OF INDIA (BHARAT BODH) (UNIT-I)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 ''पंचकोषीय विद्या'' आलेख तैयार कीजिए।

प्र.2 ''एकाग्रता से ज्ञान की उत्कृष्टता संभंव है'' व्याख्या कीजिए।

प्र.3 शिक्षा मनुष्य का समग्र विकास करती है, संस्कार सिद्धांतों के माध्यम से समझाइए।

प्र.4 भारतीय शिक्षा प्रतिमान की व्याख्या कीजिए।

प्र.5 ''ब्रह्मचर्य एवं एकाग्रता से शिक्षा के मूल को प्राप्त किया जा सकता है'' लेख लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: UNDERSTANDING OF INDIA (BHARAT BODH) (UNIT-I)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 ''पंचकोषीय विद्या'' पर लेख लिखिए।

प्र.2 शिक्षा शब्द की उत्पत्ति एवं उद्देश्य समझाइए।

प्र.3 संस्कार सिद्धांतों द्वारा मनुष्य का सर्वांगीण विकास किया जाता है, समझाइए।

प्र.4 गुरूकुल शिक्षा प्रणाली में ब्रह्मचर्य क्यों आवश्यक था, व्याख्या कीजिए।

प्र.5 भारतीय शिक्षा व्यवस्था के मूलभूत आधारों को विस्तार से समझाइए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: INTRODUCTION OF INDIC EDUCATION (UNIT-II)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 भारतीय शिक्षा में शैक्षिक संस्कारों का महत्व समझाइये।

प्र.2 भारतीय परंपरागत शिक्षा प्रणाली पर लेख लिखिए।

प्र.3 गुरूकुल प्रणाली में भिक्षाटन अनिवार्य क्यों था?

प्र.4 ''भारतीय शिक्षा व्यवस्था भारत की धरोहर है'' समझाइए।

प्र.5 अनुशासन संयमित व सफल जीवन का आधार है, समझाइए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: INTRODUCTION OF INDIC EDUCATION (UNIT-II)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 प्राचीन शिक्षा व्यवस्था में भिक्षाटन की उपयोगिता समझाइए।

प्र.2 ''अनुशासन'' सफलता की कुंजी है, समझाइए।

प्र.3 परंपरागत शिक्षा प्रणाली एवं वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्र.4 शैक्षिक संस्कारों की शिक्षा में महत्ता बताइये।

प्र.5 प्राचीन काल की गुरूकुल प्रणाली पर निबंध लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: CURRICULUM OF INDIC EDUCATION (UNIT-III)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 गुरू एवं गुरूकुल की भारतीय शिक्षा व्यवस्था में महत्ता समझाइए।

प्र.2 शिक्षा का आरंभ गर्भकाल से प्रारंभ हो जाता है, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्र.3 बाल्यावस्था की शिक्षा व्यवस्था किस प्रकार की होनी चाहिए, बताइए।

प्र.4 भारतीय शिक्षा व्यवस्था के विशिष्ट तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्र.5 टिप्पणी लिखिए— चौंसठ कलाएं

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: CURRICULUM OF INDIC EDUCATION (UNIT-III)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 प्राचीन काल में गुरूकुल प्रणाली की व्यापकता पर लेख लिखिए।

प्र.2 ''बाल्यावस्था'' शिक्षा का महत्वपूर्ण काल क्यों कहा जाता है?

प्र.3 गर्भकाल में बालक की शिक्षा मां के किन कार्यकलापों द्वारा संपन्न होती है, समझाइए।

प्र.4 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में गुरू का महत्व समझाइए।

प्र.5 ''चौंसठ कलाओं'' पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: GLIMPSES OF INDIC EDUCATION (UNIT-IV)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान उपादेयता सिद्ध कीजिए।

प्र.2 स्त्री शिक्षा क्यों आवश्यक है?

प्र.3 भारतीय शिक्षा के केन्द्रों की व्याख्या कीजिए।

प्र.4 लोक शिक्षण शिक्षा व्यवस्था से आप किस प्रकार प्रभावित हैं?

प्र.5 ''शिक्षा सभी का अधिकार है'' समझाइए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN EDUCATION & HOLISTIC DEVELOPMENT (SESSION JUNE-JULY, 2026)

SUBJECT: GLIMPSES OF INDIC EDUCATION (UNIT-IV)

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य को समझाइए।

प्र.2 भारत में शिक्षा केन्द्रों की उपयोगिता समझाइए।

प्र.3 ''लोक शिक्षण'' पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

प्र.4 शिक्षित स्त्री समाज का आधार कही जा सकती है, स्पष्ट कीजिए।

प्र.5 ''सर्व शिक्षा अभियान'' को समझाइए।